

DPN 6194

Title : चचा मे CACĀ ME

Run. No. 6885

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचा मे / Carya songs

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 21.7 x 8.5

Folios 15

Lines (in a page) 5

new direction on edge.
(partly).

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Babukāya Tulashara
बाबुराजा तुलाधर, दगुबहा:

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

folio edges.

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
ॐ नमो श्री चक्रसम्बलाय ॥ ॐ नमो श्री चक्रसम्बलाय अस्य (?) ब्रह्माद खण्डं ग्रह खी सति
भूसायका मेह शृंग ग्राम्यादेवैकपादं ।

थुके दुव्याः३ नचा म हाथक / Titles of Carpa songs

contained in this code

१. नादि नम (कल)

२. (निलसरोरुह

३. मधु मे

४. वाहाह च्याहिल

५. सकल

६. कुओन्य

७. करायी रे थिया को

८. पजम कोपा

९. एकवदन

१०. जिनवा मन याने मुवन

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीचक्रसंस्मृता ॥ गुरुवं
 द्रादंखलुं ग्रहनवीससिरु स्तानकामेनूर्ध्वं शम्पदि वक्रपा
 दं प्रकिलिपनिरुवं गच्छुकामासलस मङ्गासनवृन्द्या वन
 सलिलललितं सागर्नगादवध्या ॥ रुक्माङ्गुलीनादि नवयुगव
 र्णं पद्मनूयश्चलम् ॥ अथिवा जामासंसातवक विनचयमिमन

सन्निपातमहता साधियस्य प्रसादा विमलितिरुवस्वामि
 नानिष्पद्यक ॥ गच प्रख्यातमवेर्ज समुदय निमुखं कल्पना जाल
 मुक्त ॥ कुर्यात्तस्याधिपद्मं सिलसिविनमयं सत्युन सर्वकाले ॥
 ॥ गं नमो ४ श्री पद्म नृत्य स्वयं २ गं नमो ४ श्री चक्र सम
 नाय ॥ ॥ गं नमो ४ श्री चक्र सम नाय ॥ ॥ ३१ धर्म धातुजिन

गंगा माना २

हृदया मंद कालिका का लाः कम नासनष्ट ४ म सिद्ध धना क
 लंक मय का लाः सह जानंद कालिका ३ ॥ निषिले जिन हृदया
 द्वादसंदरी का लाः नरुत मं ३३ क्रमाना लाः ॥ ॥ ३३ ॥
 ॥ गं ३३ ॥ लवी ॥ विश्व मनानु हविंद्र विवा २ भा का न विया जि
 न सु सं रुवा ॥ क रान मा मि ३ वा मि ३ न मय न मू नि हृदया २ विना सय

शिव भक्तानां ३

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

कृष्णं गीतमना हनः सयनगीत हृदया ॥ पितृनिना नूहः ति
 न वयनः २ पक्षे जिनमकूटमनिलयन ॥ धर्मयक मडाकलि
 मनास्प २ घं भवापयिः पहाह्वयननं ॥ सनासूननमितः एव
 चननः शनयिपनमादिवजः जिनगुनलयन ॥ ६७५ ॥ वागवदुप
 मधस्यनमहामलिकानकनाजिनः पूर्वविदहानजसूदिपा २ भूपन

मधस्यन ४

हाभृंगनः महासूयमनीपसादा ॥ वर्जवागहि जालिगीतसस्वनः ना
 चयिक्क विविहवहं २ वाहुनीकनीलयीयकाः दकिहनुवः श्रुवः उवस्व
 नप्रसादा ॥ ॥ सहजसंहारि नयीयः भावकि कल्पानः श्रीहनुअदननप्रसा
 दा २ प्रहा जालिगीतकी दकिहनुअः वनासयी गुंनयक नूहा ॥ ६७६ ॥ वागवदुप
 वासस्वत्यनधनः दहिनकर्हि २ पायलनोपूलसूदनमसिनमाला ॥ ६७७ ॥ दकी

वागवदुप ३

॥ वागवदुप ३ ॥ वागवदुप ३ ॥ वागवदुप ३ ॥ वागवदुप ३ ॥ वागवदुप ३ ॥

20

15

10

5

सकनूतकनितसुखचिरा॥ क॥ ससुवनरुनुमयिगासुवंशविधिधिरुवि
 नासाननूपं॥ ॥ दवीवावाहिरुक्तमाहिरुदहाशुवरुयहनन विसामवि
 मधा॥ ॥ सकनविघ्नहकिमपिननूला २ नकिपनिस्वर्गनिवासाननूला॥
 ॥ ॥ लावालावकगहकिमकिचिरा २ अनुपयसुखनसमनसुखचिरा॥
 ॥ नागनाटरा कअंननूपलोकधन कअंननूपवृद्ध २ सुखयनिनंजनसया



२ कथं न ३३

पनमसंवासनूध॥ ॥ अशुभरु उदयचन्द्रपायप्रसादा २ गतवकिनि
 इशुवपायरुयचरुभिया॥ ॥ ॥ नागनाटरा वावाहिरुक्तदिदन
 सनाका दिनकलमधुलमध्याह्ना २ नकाधमादिया चापियातादवि मका
 टकादिगसना॥ क॥ यममासिवाल श्रीरुंयागिती अनुलुलवाभिप्रदा
 यनि॥ ॥ विरुजुनकसुख गीतीलाचना लाहिरुवर्ग प्रकालिताशिरुव

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

मिलमाचा. गीवस्वरा. व्याधुवर्त्मकर्हि. हृदिकवयना. ॥ ५ ॥ हं हं हं का
 नमं जाकवदना. स्वर्धनम्वादनतिनसमदहा. कायाधिपतीमाहांकाजा
 पंचमिखलसदय्यरुनयिया. कायकवर्माकपालधना. ॥ नकवकुना
 नीनिनयना. धालेरुयंकल. लिखमवदमा. उर्ध्वप्रजाजिता. पिंरीलक
 गा. उलमनरुसा. कनुनामयना. ॥ कनकिकपाला. धानिनखेवा

॥ नागवलयनाग. कृदुलहाना. नागमिलसि. नोपूलनाग. अरुना
 ग. आरुननसुसारा. ॥ जिनव नमोलि. धालिनमद्या. वृद्धसामननक
 कविना. श्येतानुधा. नांदवरावा. साधनकुलिमा. अन्नरुनसवना. ॥ ६ ॥
 ॥ नागमिलल. ॥ एकवदनननसकृष्ट. आवंकता. श्वकु. कु. खर्ज. पूषकसवध
 नूधालि. ॥ ५ ॥ नमामिमंरु. गीवधनृष. धना. समयन. आसाध. निपुजिक
 नाग. नादया. नाकावना.

॥ नागवलयनाग ॥
 ॥ नागमिलल ॥
 ॥ नाकावना ॥

॥ नागवलयनाग ॥
 ॥ नागमिलल ॥
 ॥ नाकावना ॥

उध्वनिगा॥ ॥ दहिनेधोगायति वामथीसाहोकाव २ भगवत्सदु
 लसामप्रकाशिनस्तिगा॥ ॥ गृष्टिसंहावनया विस्वयापिगा २
 सुखयवहृवाधि इतिनहलना ॥ ॥ वर्जधवप्रभादिनदासरन
 यियां २ गुनचननमावृत्तिविवप्रसादा ॥ ॐ ॥ ॥ जागकामा ॥
 सुगंधदधारुजनिस्तिगंतं वृधंगीमृडांकिनगुणवर्त् २ श्रीवृव

विमंस्तिनगंतं कृपानमृडांकिनमाध्ववारुं २ श्रीविश्वजकलवि
 मधुलसं संकावसंजागप्रलसामिसानं ॥ ॥ वृध्वद्विक्लप
 विसस्तिनगंतं दृष्टानिमृडांकिननिलवर्त् २ श्रीवर्जजकगगि स
 धुलगंतं संकालसंजागप्रलसामिसानं ॥ ॐ ॥ ॥ जागकामा ॥
 जिनववतनयतिरुव नथीकांथागवनिर्वा स्यतिस्मवमनिना २ न

मृतां वृत्ति
 मृतां वृत्ति

जिनववतनयति ४८
 वृत्तिववतनयति

डाक भगि मधुलस्यं नंका वसं जात पुनसा मिसा नं॥ कुवा प्रथं ड
 मर्याप निमं स्थि नं नं नं वत्तां के मूडा कि न पीत वत् २ पी नत्त दा क
 न विमं धुलस्यं नंका वसं जात पुनसा मि भा नं॥ मय न म ड
 प निमं स्थि नं नं नं य म्मा क मूडा कि न व क वत् २ पी प म दा क न वि
 मं धुलस्यं गंका वसं जात पुनसा मिसा नं॥ ह्व गंध स व प

म्हा सुख सगत संपदं प्राप्ति ॥ हवर्ज काल ॥ पी च क स म्ब न
 म्ने न का टि सि धा या नं ग ना २ पी ह क अ दि या नं पू र्ण गि नी जा नं ध नी प्र शु
 म्हा सुख जा न ह्व ॥ १० ॥ का वं ल व भा वा जि न वी ता २
 अ न ह क सर्व द व शि शु व न लि ता ॥ अ न्द्र म प जि न दा न क नै या ०
 म्दि न न्ना दि सि धि वा हि प भा द ॥ गं ग म ज म ना न इ यि न नि २ ॥

१ को लं ले व भा ५५

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

धनत्रयविभक्तिगगलइवान् ॥ उदिंगवविभूष्टगगलभजन
 साम्भुवनहंभुन ॥ प्रवनपवभननकनन ॥ शविपनिककनम
 दानकसिधि ॥ ॐ नमो गगलभजन गगलभजन उर्ध्ववहाथविधवि
 याकमलकुलिस ॥ उर्ध्ववानी ॥ उमवुकनिकूथानगीभूना ॥ वामरव
 गकपानभूधना ॥ ॐ श्रीसम्भननाथा ॥ वाद्यनिदुक्तजगुवीना ॥ ॐ
 ॐ नमो गगलभजन गगलभजन गगलभजन गगलभजन गगलभजन

॥ गगलभजन ॥ ॐ

निचकमहाविभक्तिगगलभजन ॥ उदिंगवविभूष्टगगलभजन
 ॐ नमो गगलभजन गगलभजन गगलभजन गगलभजन गगलभजन
 पिर्गलकंभ ॥ ॐ ॥ जगलभजन कपकपागुधदति ॥ इष्टमालविनासनिदवि
 ॥ प्रकतयनजनिमूढजना ॥ ॐ नमो गगलभजन गगलभजन गगलभजन
 वाद्यचवमवलुप्रयाभानिध ॥ ॐ नमो गगलभजन गगलभजन गगलभजन

॥ उदिंगवविभूष्टगगलभजन ॥ ॐ

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

नयिनचाप्रियायनः सासुखवक्तुमूडासिद्धिनः॥ पागवंसुमूडा
 नवामः महाध्वनिः चउत्तनसिनमानाशनीननाहितकनकारुव
 चउत्तमखअतिरिषनानमूर्धना॥ आनिधपयारुयिलववाप
 यीयानः कानीनानीदिनमहसूडाश्विध्वजः अर्द्धचन्द्रज
 ररुकावाद्यचमरवउमूडा॥ सुगीसंविनविलस्वगनायकणी

चननसननः श्रीलिउग्रकानुलिमाताशूनयीश्रीप्रसाधवर्कगीतचलिका
 ॥ ॐ ॥ नागमानव॥ वज्रिधालिवकानीचमुलिदेवीशसिधितिः व्याधि
 नीरुम्बकउलंकिनी॥ क॥ नमामिश्रीजागमस्वनरुतस्वनीयाशक्तिन
 देवीशरुवनपयिस्य॥ ॥ पूर्वउरुनः पाश्चिमदक्षिदिर्गदेवीशक्तिनि
 दिपिनीचउसिकवाजनि॥ ॥ वरुलदिर्गदेवीरुलनरुदेवीशक्तिनि

२ वज्रिधालि ५८

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

निदवा नाचन्ति ह नृणां ॥ हविहलवभा ॥ अमल गमन २ वा ५ राया
 गिती समन संराव ॥ २० ॥ नागललीग ॥ विषय विषय विनूपवन संरा
 रम ॥ इत्ययि च न्या विना ॥ क म ले २ द ह यि जि न वि म्बु स सि म न यि स व न व
 ऊ ॥ नि नि आ रा म म य स्या म म य न ॥ ५ ॥ न म्प स र्ग ॥ धो वं का न च कं ॥ ह व र्ज
 स म्ब व ॥ वि स नू यं २ य यि प इ म स ग र्ग ॥ सं र व नि ध न स र्ग ॥ अ न र्ग म य

धर्म धा नू
 आन नू पं ॥ ॥ व र्ज प य क ग र क कं क मा नू न र न ना म स गि ति ॥ अ क्क र य ॥
 नं २ ग ग र इ श्व ना स न ॥ वा धि रू ल दाय कं ॥ अ ग म ल स व नि रा व नी ना ॥ ॥
 गु नू वा क दृ र्ध वि या ॥ अ र्ध प व न कं चि य म लि म कू ट च ॥ नो उ ना दि ध नी य २
 च उ च क पा र स नी न प न म म्ब नी ॥ सूर्य रू व न स व नी वा ना ह रू द नं ॥ ॥
 स्व प्र मा या स दृ स रा व प नि रा व ना ॥ वृ द्ध ध र्मा ॥ स द्य ॥ स न ना गे ति यं २ गु नू च न

नसिन्धुधनिया. गभग्निसूनवर्ज. ऊन्मजन्ममानुवृद्धसननं ॥ ॐ ॥
 नागरेलवा ॥ चन्द्रधमसान. सिलसहका. वासुकिनाग. गजिनमघा २
 गङ्गलममान. अश्वकहका. धूमिगमघा. गङ्गकनाग ॥ ॐ ॥
 मज्जलजङ्गसखगवन्निवायुनाकस. दिगंविदिगं. वज्रिदवस्थिल २ अष्टस
 ममान दृष्टीसंविजंलखन. नाययिसहजानन्द ॥ ॐ कंकनिधोनाव

रिकमदा. कालाकूना. कर्कटकनाग २ कनकलेववा. वडुकमघा. मलस
 जनाग. वृगकहका ॥ ॐ अष्टगहासा. संखपाननाग. पञ्चन्दमघात्वक
 हिब्रहा २ लक्ष्मिवाना. कलजहका. धूमिगमघा. महापद्मनाग ॥ ॐ
 धानममान. पैकटिहका. अन्तकनाग. यूर्जनमघा २ किलिकिजिनाग.
 अरुनवृका. कूलिकनाग. वर्षनजलदा ॥ ॐ द्वादभहजा. द्वादभर

चन्द्रधमसान ॐ

वना चरुवर्णवदना द्वादशमयना रत्नयौक रूपाव नारवस्त
मना कारीमारीनी पूजापरिवदना ॥ २० ॥ गगन गङ्गा रत्नवा
धूमार्गिचक्रकवंग रत्नखमपिंगलक भवयन ॥ क ॥ रत्नयौमालह
हृष्टकलक रत्नाना विहाल बोधमहावनी पूजा ॥ ॥ समया नक्रकुशा
भवनिदवी २ बाहूलिवाहूले चउमुखनयना ॥ ॥ गिरयक नैककृश

२४ सोमना ६९

5

10

15

20

0

CMS

5

10

15

20

25

30